an>

Title: Need to prepare hybrid seeds and ban D.A.P. urea in the country.

श्री कौशल किशोर (मोहनलालगंज) : आदरणीय सभापति जी, आप ने मुझे ज़ीरो आवर में बोलने का अवसर दिया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं मोहनलालगंज, लखनऊ क्षेत्र की उस जनता का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे चुन कर यहां भेजा है। मैं यहां पर पहली बार आया हूं। मैं एक अति महत्वपूर्ण प्रश्न के सवाल पर सदन का और पूरे देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

मान्यवर, आप उत्तर प्रदेश में कृषि मंत्री रहे हैं। मैं भी वहां रहा हूं। हमारे देश के अन्दर वर्ष 1994 में इसी पार्लियामेन्ट में एक बिल पास हुआ था - डंकल ड्राफ्ट। उस डंकल ड्राफ्ट में एक चीज़ पारित की गयी थी कि हिन्दुस्तान के अन्दर हिन्दुस्तान का किसान खेतों में विदेशी हाइब्रिड बीज डालेगा और विदेशी खाद डी.ए.पी. डालेगा। आज जो लालच देकर विदेशी हाइब्रिड बीज दिया जा रहा है, उस विदेशी हाइब्रिड बीज से जो फसल पैदा हो रही है, वह इम्पोर्टेंट है, नपुंसक है। अगली बार अगर उस फसल को बोया जाता है तो उस से फसल नहीं होती है जिसके कारण हमारे देश के किसान अब देशी बीज नहीं बो रहे हैं। उस बीज को बार-बार ले रहे हैं और उस बीज को और उस खाद को हम बना नहीं सकते क्योंकि हमारे देश में पेटेन्ट कानून भी पास है। अगर हमारे देश से देशी बीज खत्म हो गया है। हम जो यह डी.ए.पी. खाद डालते हैं, यह खाद उस खेत को डी.ए.पी. एडिक्ट बना देती है। उस खेत में अगर हम उस खाद को डाल देते हैं तो हम दूसरी बार अगर कोई खाद डालेंगे तो उस खेत में उस तरीके से फसल पैदा नहीं होती। इस तरह से एक ऐसा समय आ जाएगा कि मल्टीनेशनल कंपनियां, जो डब्ल्यू.टी.ओ. के ज़रिए हमारे देश में आ रही हैं, ये पूरे तरीके से हमारी खेती पर कब्ज़ा कर लेंगी। फसल वे ले लेंगी और हमारा किसान केवल खेती करेगा, उसे उसका किराया मिलेगा और फसल उस को नहीं मिलेगी। जिस तरीके से हमारे देश में मारूति-सुजुकी कंपनी आयी थी और मारूति का पूरा शेयर लेकर आज सुज़की मालिक बन गयी है। उसी तरह, हमारे खेतों की फसल भी ये कंपनियां ले लेंगी।

मेरा अनुरोध यह है कि इस देश में खेती को किसानों को देने के लिए और खेती को बचाने के लिए जो विदेशी हाइब्रिड बीज है, उस को रोका जाए। हमारे देश में हाइब्रिड बीज बनाएं जाएं और डी.ए.पी. खाद पर रोक लगायी जाए। अपने यहां ऐसी खाद बनायीं जाएं जो डी.ए.पी. खाद के बराबर यहां पर काम करें क्योंकि डी.ए.पी. खाद को अमेरिका और ब्रिटेन में डालने पर रोक लगी हुई है।